

|| लक्ष्मी अस्त्रोत्रं पश्चनाम तव ||

पश्चललक्ष्मी नाम जय जय तरा । १ मरुलक्ष्मी नामे हर सर्वरोग कर ॥ २  
मुरुरस्त्री नामे निति करि भक्तिरते । ३ वरिप्रिया नाम आरि अनुर-मावारे ॥ ४

पश्चालवा नामे लक्ष्मी-पदे नमकार । ५ सर्वलक्ष्मी नामे हस्त-विभव-संज्ञार ॥ ६  
विश्वस्त्री नामे भक्ति करला देवीरे । ७ कीरणलक्ष्मी नाम आरि भक्तिरते ॥ ८

जगथाता नामे निति पश्चालपे करि । ९ वलिमार्ये सज्जावती नाम सला आडि ॥ १०  
त्रिलोकाकाशिली नाम आरि गो आरप । ११ बद्धुरुष्टिकरी नाम जगत-पारम ॥ १२

सर्वभूत-स्त्रीत्विली नामे नमकार । १३ देवदेवेश्वरी नाम सार तैते सार ॥ १४  
कुबन-पद्मनी नाम आरि गो आन्तरे । १५ उपला नामेते निति करि भक्तिरते ॥ १६

भुवन जाननी नाम आरि दार वार । १७ आटिहस्त्री नाम आरि अनुर-मावार ॥ १८  
ओगो देवी तर नाम नारित्र-हस्ती । १९ आरिले तुलेर नाम करमलवासिनी ॥ २०

लक्ष्मिता नामेते निति तोमार चरण । २१ ग्रन्थुर जमनी नाम आरि भट्टचल ॥ २२  
शरण्या नामेते हय दुर्घ विनाशन । २३ शीलावती नामे आरे वत भक्तीग ॥ २४

पितृ-मातृकपा नाम आरि छन्दिमार्ये । २५ सम्पत्तिलालिली नामे सर्वे सूख मजे ॥ २५  
विद्यालाली नाम तर जगते प्रतार । २७ कलाली नामेते तोमा करि नमकार ॥ २८

आपत्ति-नलिली नाम सापत्र-कुबने । २९ गुणराशि-प्रसविनी तोमा सर्वे भागे ॥ ३०  
कलालीला नाम तर विदित भुवन । ३१ भद्रवती नाम तोमा भाके सर्वज्ञन ॥ ३१

शुक्लसत्त्वकपिली तोमारह नाम । ३३ सम्पत्ति-जपिली हय तोमार आध्यान ॥ ३३  
पारवती नामेते तुलि तिराज तैलासे । ३५ वर्णलक्ष्मी नाम तर भामर शिवासे ॥ ३५

मठालक्ष्मी नाम तर भृतले प्रजर । ३७ गृहलक्ष्मी नाम खात गृहीर आगार ॥ ३८  
बैकुण्ठे बैकुण्ठप्रिया तव एक नाम । ३९ गृहे गृहे योये तर तुलनी आध्यान ॥ ३९

त्रिलोके तर नाम सवित्री दम्भरी । ४१ तुलारम-वमे नाम धर तासेश्वरी ॥ ४२  
गोलके तोमार नाम कृष्णप्रलालिता । ४३ भक्त-भले तर नाम सर्ववीर्य-साहिता ॥ ४३

मालती नामेते शाक शालती-कानमे । ४५ उत्ता नामे शोभा पाओ उत्तानेत वमे ॥ ४५  
सूक्ष्मी तोमार नाम शतश्मि जानि । ४७ कुलरमे कुलसत्ती नामे खात तुमि ॥ ४८

पश्चालती नाम तव हय, पश्चालने । ४९ तुष्टिप्रिया तव नाम भास्त्रीर-कानमे ॥ ४९  
केतकी-कानमे तव सूक्ष्मीला ताध्यान । ५१ राजपुरे राजलक्ष्मी तव एक नाम ॥ ५१

आध्यादिया नामे तुमि खात सर्वस्यामे । ५३ मिद्राम-जाके तोमा विजिताली नामे ॥ ५३  
एक नाम धर तुमि श्रीकन्दमाला । ५५ कोचवस्तुपुरे तुमि तोचराजवाला ॥ ५५

सुमति नामेते तुमि खात सर्वस्यामे । ५७ कुमति नाशिनी हय तव एक नाम ॥ ५७  
एक नाम धर तुमि सुप्रियवासिनी । ५९ तुलिना तोमार नाम ओगो सुतारिली ॥ ५९

हाहा नामे शोभा पाओ ताहिर गोडरे । ६१ हवा नाम धर सदा पितृलोकपुरे ॥ ६१  
सञ्जविद्या तव नाम जगते प्रतार । ६३ गुहादिया नामे तेमा करि नमकार ॥ ६३

आस्त्रिकिंती तव नाम विदित भुवन । ६५ सन्तुष्टीकिंती वलि नाम करह धारण ॥ ६५  
जगद्रूपा नामे तुमि विदित जगते । ६७ सुधा नामे खात तुमि शशक्षपुरेरते ॥ ६७

एक नाम धेना तुमि करिह धारण । ६९ श्रुका नामे भाके तोमा श्रुका-शील भान ॥ ६९  
सर्वत्र विदित तुमि महाविद्या नामे । ७१ भृत्यली-वनी नाम शम्म-भवने ॥ ७१

महाभगे एक नाम जानि गो तोमार । ७३ सर्ववज्ज्वरी नाम सर्वत्र प्रजर ॥ ७३  
मोक्षदा नामेते कर मोक्ष विभवण । ७५ शुरुष्टि नामेते कर गो-वन हजार ॥ ७५

সুন্দর নামেতে সুখ দেও স্বকারে || ৭৭ ইর্বনা নামেতে তোমা যানি বারে বারে || ৭৮  
শ্রীদ্বিতী তোমার নাম করি গো অঙ্গ || ৭৯ শস্তা নামে কর তৃষ্ণি শস্তি বিন্দুরণ || ৮০

মহাদেবী তব নাম ইমালত-চরে || ৮১ সুমেকলাসিনী নাম দুর্বল-শিখরে || ৮২  
শ্রীদ্বিতী তব নাম ধৈর্যের গোচর || ৮৩ প্রভু বটী নামে আজে সৃত ভাজন || ৮৪

প্রয়ার্থলাক্ষ্মী নাম করই বারণ || ৮৫ ক্রোকাহীনা তব নাম বিলীত-ভূবন || ৮৬  
হরিলাসাপ্রদাসিনী আখ্যান তোমার || ৮৭ কারণকপিশী নাম জগতে প্রচার || ৮৮

অস্বরয়ারিশী নাম খ্যাত সর্বভাবে || ৮৯ মারাজগ পরামুগ নামে তোমা ভশে || ৯০  
এক নাম ধর তৃষ্ণি মহাপুরাতী || ৯১ মন্ত্রকেশী নাম তব খ্যাত বসুবতী || ৯২

শ্রী নামে শোভা পাও দেবরাজপুরে || ৯৩ ভোগবতী নামে ধাত-প্রাতুল-মগ্নে || ৯৪  
অরিচুমাসিনী নাম জগতে প্রচার || ৯৫ হরিছনিবিলাসিনী শুভির আগত || ৯৬

একবীজ নাম তৃষ্ণি করহ ধূরণ || ৯৭ আমরী নামেতে কর দুর্বল দুর্বল || ৯৮  
বিশেবিনী তব নাম খ্যাত ভূমতলে || ৯৯ দিষ্ট গাঙ্গেগো তোমা বিধাতুকা বলে || ১০০

শিবদুটী নাম তব জগতে প্রচার || ১০১ বটী ক্রপা তব নাম দেনের মাঝার || ১০২  
ছজ্জরজ্জবিনী নাম সমর-আশনে || ১০৩ প্রজ্ঞশী নামেতে খ্যাত ঘোষাজ সদনে || ১০৪

ভঙ্গাভঙ্গিমাসিনী তব এক নাম || ১০৫ বিমোচিনী নামে তৃষ্ণি খ্যাত লক্ষ্য হান || ১০৬  
মানন্দামনী নাম মাননের পুরে || ১০৭ শ্রীরতিসুলুরী নাম রাতির গোচরে || ১০৮

শামামালা ভাঙ্গিতের করিয়া শ্রবণ | শ্রীলাভ করেন পুনঃ অমর-রাজন ||

### || শুলকাতি ||

এই স্তব ভাঙ্গিতের করিয়ে শ্রবণ | কিস্তা অধ্যয়ণ করে যাদি কেন জন ||  
পাতক তাজের দেহে কভু মাহিরয় | পুত্রহিন জন পায় দুপুর নিশ্চয় ||

হষ্টরাজ্য রাজ্য পায় ইহাত প্রসাদে | কীর্তিশীন কীর্তি সত্ত্বে জ্ঞানিবে জগতে ||  
যশ্শালাভ ধনলাভ ইহাতেই হয় | কল্যাণজনক জ্ঞোত শান্তে হৈন কর ||

তাই বলি ভক্তগন একান্ত অন্তরে | সদা শুন সদা পড় ভক্তি সহকারে ||  
কথলে কথলে বলি ভাক নিরসন | তরু মাতি যাবে জলি অমর-মগ্নে ||